

PUNYSHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

M.A. I Year Hindi Semester I

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी सत्र प्रथम

Choice Based Credit System

2020–21

सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अनुसार

(For University- विश्वविद्यालय हेतु)

समन्वयक – प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख,

अध्यक्ष—हिंदी अध्ययन मंडल,

पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			L	T	P	Total Credits
			Theory	IA	Total				
First									
Subject		Hard Core Compulsory Paper							
HCT	1.1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.2	भाषा विज्ञान	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.3	प्रयोजनमूलक हिंदी	80	20	100	4	1	0	5
	DSE	DSE (Discipline Specific Elective) A (Any One) Optional							
SCT	1.1	साहित्यिक वर्ग विशेष रचनाकार : कबीर	80	20	100	4	1	0	5

SCT	1.2	व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.3	दृक-श्राव्य माध्यम लेखन	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.4	जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन	80	20	100	4	1	0	5
		Soft Core B (Any One) Optional							
SCT	1.1	हिंदी भाषा शिक्षण	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.2	हिंदी सृजनात्मक लेखन	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.3	भाषा प्रौद्योगिकी	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.4	अनुवाद	80	20	100	4	1	0	5
		Total	400	100	500	20	05	00	25

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.1 Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

With effect from June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य के राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशल पूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यक्ति होता है, वैसा अन्य साहित्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इसका साक्षी है कि प्रौढ़ मन, मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़, शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी व्यक्ति एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य व्यापक बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रुचि पैदा कराना।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रू-बरू कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्र परिचित होते हैं।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन करते हैं।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रुचि पैदा होती है।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचय होता है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1

Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तक :

1. हिंदी की प्रतिनिधि कहानियाँ—संपा. डॉ. कृष्णा रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture-15

कहानी विधा एवं कहानियाँ

1. कहानी साहित्य : उद्भव और विकास
2. कहानी साहित्य के तत्त्व
3. उसने कहा था —चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4. पूस की रात —प्रेमचंद
5. पुरस्कार —जयशंकर प्रसाद
6. नारंगियाँ —अज्ञेय

इकाई II

कहानियाँ

Credit-1 Lecture-15

7. करवा का व्रत —यशपाल
8. मलबे का मालिक —मोहन राकेश
9. ऊपर उठता हुआ मकान —कमलेश्वर
10. अकेली —मन्नू भंडारी
11. वापसी —उषा प्रियम्बदा

पाठ्यपुस्तक :

2. होरी (नाटक)–विष्णु प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई III

Credit-1 Lecture-15

नाटककार विष्णु प्रभाकर एवं 'होरी' नाटक

1. विष्णु प्रभाकर : जीवन परिचय
2. विष्णु प्रभाकर : साहित्य परिचय
3. नाटक का कथानक
4. नाटक के पात्र एवं चरित्र चित्रण

इकाई IV

Credit-1 Lecture-15

'होरी' नाटक का अध्ययन

5. नाटक के संवाद
6. नाटक में अभिनेयता एवं रंगमंच
7. नाटक की भाषाशैली
8. नाटक का उद्देश्य

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	आधुनिक गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी कहानी का इतिहास –डॉ.राय गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति–डॉ.देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. एक हिंदी कहानी : परम्परा और प्रगति–डॉ.हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिक हिंदी कहानी–डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ.पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
6. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ.कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
7. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक–डॉ.देवीदास इंगले
8. हिंदी नाटक–डॉ.बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. समकालीन हिंदी नाटक में संघर्ष चेतना–डॉ.गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
10. हिंदी नाटक कोश–डॉ.दशरथ ओझा, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.2 Bhasha Vidnyan

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा विज्ञान

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

भाषा मनुष्य को प्राप्त सबसे बड़ी देन है। भाषा के कारण ही मनुष्य अन्य प्राणियों से अलग अस्तित्व रखता है। भाषा की अपनी विशिष्ट रचना होती है। जिसमें हर स्वन से लेकर वाक्य तक और उस वाक्य के अर्थ तक एकसूत्रता होती है। अर्थात् इसमें एक शास्त्र छूपा होता है। इसके लिए उसमें वैज्ञानिकता होती है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भाषा की उत्पत्ति, उसकी वैज्ञानिकता से लेकर स्वन, रूप, वाक्य एवं अर्थ तक की संरचना का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी देना।
2. रूप विज्ञान से परिचित कराना।
3. वाक्य निर्मिति प्रक्रिया से अवगत कराना।
4. अर्थ विज्ञान को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होती है।
2. रूप विज्ञान से परिचय होता है।
3. वाक्य निर्मिति प्रक्रिया जान सकते हैं।
4. अर्थ विज्ञान को समझ सकते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. भाषा लैब में प्रात्यक्षिक

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.2 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.2

Basha Vidnyan

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा विज्ञान

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

भाषा विज्ञान

1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा संरचना और उसके स्तर, भाषा—व्यवस्था और भाषा—व्यवहार
2. भाषा विज्ञान – परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति
3. अध्ययन की दिशाएँ—वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक
4. स्वन—विज्ञान: स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वन की परिभाषा, स्वर एवं व्यंजनों का वर्गीकरण (स्वनों का वर्गीकरण)

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

रूप विज्ञान

1. रूप विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, शब्द और पद
2. रूपिम की अवधारणा एवं उसकी विशेषताएँ
3. रूपिम के भेद : (अ) संरचना की दृष्टि से – मुक्त , आबद्ध, संपृक्त
(आ) अर्थ की दृष्टि से – अर्थदर्शी और संबंधदर्शी

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

वाक्य विज्ञान

1. वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप
2. वाक्यार्थ बोध की प्रक्रिया : (अ) अभिहितान्वय वाद
(आ) अन्विताभिधान वाद
3. वाक्य रचना के आधार – चयन, पदक्रम, अध्याहार
4. वाक्य के भेद

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

अर्थ विज्ञान

1. अर्थ विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप
2. अर्थबोध (संकेत ग्रह) के साधन – भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मतानुसार
3. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
4. अर्थ परिवर्तन के कारण

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	भाषा विज्ञान	भाषा विज्ञान

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान—डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान—डॉ.नेमीचंद श्रीमाल, श्रुति प्रकाशन, कानपुर
3. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत—डॉ.रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अद्यतन भाषा विज्ञान—डॉ.शशिभूषण पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भाषा विज्ञान—डॉ.अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन, औरंगाबाद
6. भाषा विज्ञान परिभाषा कोश, शब्दावली आयोग, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.3 Prayojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : प्रयोजनमूलक हिंदी

With effect from June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थात् कामकाजी हिंदी जिसे व्यावहारिक हिंदी भी कहते हैं। इसका उपयोग कार्यालय में कामकाज के लिए होता है। भारत में राजभाषा के रूप हिंदी भाषा को स्थान दिया गया है। जिसके अन्तर्गत केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में कामकाज करने का प्रावधान है। अतः मातृभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा को समझाते हुए राजभाषा की संविधानिक स्थिति तथा कामकाजी हिंदी एवं उसके लिए प्रयुक्त पारिभाषिक स्थिति का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. कामकाजी हिंदी से परिचित कराना।
2. भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
3. राजभाषा की संविधानिक स्थिति से अवगत कराना।
4. कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी से अवगत कराना।
5. पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. कामकाजी हिंदी से परिचित हो जाते हैं।
2. भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित होते हैं।
3. राजभाषा की संविधानिक स्थिति से परिचित होते हैं।
4. कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी से अवगत होते हैं।
5. पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.3 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.3

Prayojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : प्रयोजनमूलक हिंदी

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

कामकाजी हिंदी का स्वरूप

1. हिंदी के विभिन्न रूप —1. मातृभाषा 2. राजभाषा 3. संपर्क भाषा 4. संचार भाषा
5. सर्जनात्मक भाषा
2. विश्वभाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन।

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

राजभाषा विषयक संविधानिक प्रावधान :

1. राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक) 2. राष्ट्रपति के आदेश (1952,1955,1960) 3. राजभाषा अधिनियम 1963. (यथा संशोधित 1967) 4. राजभाषा संकल्प (1968) (यथानुमोदित 1991) 5. राजभाषा नियम 1976
द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र। 6. हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति। 7. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी, हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका।

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य

1. प्रारूपण : प्रारूपण का अर्थ परिभाषा एवं महत्त्व
प्रारूपण की विधि, प्रारूपण के अंग, अच्छे प्रारूपण की विशेषताएँ

2. टिप्पण (टिप्पणी) :

अर्थ एवं परिभाषाएँ

टिप्पण के प्रकार, टिप्पण की विशेषताएँ

3. संक्षेपण :

अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

संक्षेपण की आवश्यकता, संक्षेपण विधि, सफल संक्षेपण के गुण,

संक्षेपण के प्रकार

4. विज्ञापन :

विज्ञापन – अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

विज्ञापन लेखन, विज्ञापन अनुवाद

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

पारिभाषिक शब्दावली :

1. परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
2. ज्ञान – विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली तथा वाक्यांश का अध्ययन (परिशिष्ट में निर्धारित)

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी—सं.डॉ.रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग—डॉ.दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका—कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

परिशिष्ट

ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की शब्दावली और वाक्यांश

अ) ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की शब्दावली

1	Abbreviation	संक्षेप / संक्षेपण
2	Abstract	1. सार, 2. संक्षिप्ति (विधि)
3	Advance	अग्रिम
4	Advertisement	विज्ञापन
5	Academy	अकादमी
6	Accuse	अभियोग लगाना
7	Acquire	अर्जन करना
8	Admission	1.अभिस्वीकृति, 2. प्रवेश / दाखिला
9	Animal Husbandry	पशुपालन
10	Archaeology	1.पुरातत्त्व, 2.पुरातत्त्व विज्ञान
11	Associate Member	रह-सदस्य
12	At Random	यादृच्छिक
13	Backward Classes	पिछड़े वर्ग
14	Ballot	1.मतपत्र / मतपर्ची, 2.मतदान
15	Balance Sheet	तुलना पत्र
16	Barter	वस्तु विनिमय
17	Bibliography	संदर्भ-ग्रंथ सूची
18	By-law	उपविधि
19	Calculation	<u>गणना / गिनति / परिकलन</u>
20	Cash	रोकड / नगदी / नकदी
21	Catalogue	सूची पत्र
22	Corporation	निगम
23	Cost	लागत
24	Customs	सीमाशुल्क
25	Demand Letter	माँग पत्र
26	Deduction	कटौती / घटाना
27	Department of Rehabilitation	पुनर्वास विभाग
28	Destination	गंतव्य / लक्ष्य
29	Dignity	गौरव / मर्यादा / गरिमा

30	Directorate General	महानिदेशक
31	Dividend	लाभांश
32	Division Bench	खंड (न्याय) पीठ
33	Duration	अवधि
34	Efficiency	दक्षता / कार्यपटुता
35	Endorsement	पृष्ठांकन
36	Estates Duty Officer	संपदा शुल्क अधिकारी
37	Evaluation	मूल्यांकन
38	Exchange	विनिमय
39	Export	निर्यात
40	Extraordinary	असाधारण
41	Excise	1.उत्पादन शुल्क, 2. अबकारी
42	Expansion	विस्तार / प्रसार / प्रसरण
43	Ex-President	1.भूतपूर्व राष्ट्रपति, 2.भूतपूर्व अध्यक्ष
44	Extract	उद्धरण
45	Extra-curricular	पाठ्येतर / पढ़ाई के अतिरिक्त
46	Fabricate	1.गढ़ना, 2. निर्माण करना
47	Fair Price	उचित मूल्य / उचित भाव
48	Family planning Centre	परिवार नियोजन केंद्र
49	Fellowship	अध्येतावृत्ति
50	Follow-up	अनुवर्तन
51	Financial	वित्तीय / वित्तसंबंधी / वित्त
52	Finger print Examiner	अंगुली-छाप परीक्षक
53	Flight	उड़ान
54	Flood Investigation Division	बाढ़ अन्वेषण प्रभाग
55	Fundamental	मूल / मौलिक / आधारभूत
56	Further action	आगे की कार्यवाही / अगली कार्यवाही
57	Gallantry award	शौर्य पुरस्कार
58	Gradation list	पदक्रम सूची
59	Gross Value	कुल मूल्य / सकल मूल्य
60	Guidance	मार्गदर्शन / निर्देशन

61	Gunner	तोपची
62	Halting allowance	विराम भत्ता
63	Handicraft	दस्तकारी / हस्तकला / हस्तशिल्प
64	Handloom	हाथ करघा
65	Head Despatcher	प्रधान प्रेषक
66	Heavy Industry	भारी उद्योग
67	His Majesty	महामहिम
68	His Excellency	परम श्रेष्ठ
69	House of People	लोकसभा
70	Identification	पहचान / शिनाख्त
71	Index Number	सूचकांक
72	Insurance	बीमा
73	Investment	निवेश
74	Joining date	कार्यग्रहण तारीख / कार्यारंभ तारीख
75	Journal	1. दैनिकी / रोजनामचा, 2. पत्रिका
76	Kindergaten teacher	बालवाडी शिक्षक
77	Labour Welfare	श्रम कल्याण / श्रमिक कल्याण
78	Last Pay Certificate	अंतिम वेतन पत्र
79	Legislative Assembly	विधान सभा
80	Legislative Council	विधान परिषद
81	Manifesto	घोषणा पत्र
82	Mayor	महापौर
83	Meteorologist	मोसम विज्ञानी
84	Nationalization	राष्ट्रीयकरण
85	Nominee	मनोनीत व्यक्ति / नामित व्यक्ति
86	Official Version	सरकारी कथन / अधिकारिक कथन
87	Ophthalmologist	नेत्र विज्ञानी
88	Partition	विभाजन / बँटवारा
89	Postmortem	शव परीक्षा
90	Preface	प्रस्तावना
91	Prospective Customer	संभावित ग्राहक

92	Proceedings	कार्यवाही
93	Quality Control Officer	गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी
94	Quotation	भाव / दर
95	Registration	पंजीकरण
96	Senate	वरिष्ठ सभा
97	Statute	कानून / संविधि
98	Sale Account	विक्रय लेखा / विक्री लेखा
99	Validity	वैधता
100	Viva-Voce	मौखिक परीक्षा

आ) वाक्यांश

1	Acting in good faith	सद्भाव से कार्य करते हुए
2	After consultation	से परमर्श करके
3	Approved as proposed	यथा प्रस्ताव अनुमोदित
4	As modified	यथा अशोधित / तरमीम के साथ
5	Background	ममले की पृष्ठभूमि
6	Beg to state	निवेदन है
7	Circulate and then file	संबंधित व्यक्तियों को दिखाकर फाईल कर दीजिए
8	During the course of discussion	विचार-विमर्श के दौरान / चर्चा के दौरान
9	Early orders are solicited	शीघ्र आदेशों की प्रार्थना है
10	Explained in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया
11	Follow up action	अनुवर्ती कार्यवाही
12	For favour of doing the needful	यथावश्यक कार्यवाही की कृपा के लिए / कृपया आवश्यक कार्यवाही की जाए
13	For sympathetic	सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए
14	Hard and fast rule	पक्का नियम
15	Has no comments to make	को कोई टीका नहीं करनी है
16	Hold in abeyance	रोक रखना / स्थगित रखना
17	Hold lien on Post	पद पर पुनर्ग्रहणाधिकारी होना
18	I am desired to say	मुझे निवेदन करने के लिए कहा गया है
19	I beg to submit	निवेदन है कि
20	I fully agree to the office note	कार्यालय की टिप्पणी से मैं पूर्णतः सहमत हूँ

21	In anticipation	की प्रत्याशा में
22	In confirmation	की पुष्टि में
23	In consultation	से परामर्श करके
24	In detail	विस्तार से / ब्योरेवार
25	In particular	विशेषतः / खासकर
26	In prosecution of	के चलान में / की पूर्ति करने में
27	In the circumstances of	की परिस्थितियों में
28	In the prescribed manner	विहित रीति से / निर्धारित ढंग से /
29	In view of	को ध्यान से देखते हुए / को ध्यान में रखकर
30	Instructions are solicited	कृपया अनुदेश दें
31	It is suggested	यह सुझाव दिया जाता है / सुझाव है
32	Justification for the proposal	प्रस्ताव का औचित्य
33	Keep in abeyance	मूलवती रखा जाए
34	Lay before	समक्ष रखना / सामने रखना
35	May be excused	क्षमा किया जाए / क्षमा करें
36	May be requested to clarify	से स्पष्टीकरण की प्रार्थना करें
37	By all means	निस्संदेह / अवश्यमेव
38	May be obtained	प्राप्त किया जाय / प्राप्त करें
39	Needs no comments	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं
40	Notice in writing	लिखित सूचना
41	Not transferable	अहस्तांतरणीय
42	No reference is coming	पिछला निर्देश नहीं मिल रहा है
43	On an average	औसतन
44	Order communicated	आदेश भेज दिया गया
45	Order may be issued	आदेश जारी कर दिया जाए
46	Out today	आज ही भेजिए
47	On grounds of	के आधार पर
48	Paper for disposal	निपटाने के लिए कागज
49	Passed for payment	भुगतान के लिए पास किया
50	Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन कीजिए
51	Please hand over your charge to shri	कृपया अपना कार्यभार श्री को सौंप दे

52	Put up	प्रस्तुत कीजिए/पेश कीजिए
53	Quoted below	नीचे उद्धृत
54	Reference is invited to	को देखिए/को देखने का कष्ट करें
55	Referred to as	के नाम से निर्दिष्ट
56	Reinstated in service	नौकरी बहाल की गई
57	Required to be recitified	अनुसमर्थन अपेक्षित है
58	Sanctioned as proposed	प्रस्ताव के अनुसार मंजूर/यथा प्रस्ताव संस्वीकृत
59	Self contained note	स्वतःपूर्ण टिप्पणी
60	Steps may be taken	कदम उठाए जाएँ/उपाय किए जाएँ
61	Submitted for perusal	अवलोकनार्थ प्रस्तुत
62	Status quo	यथापूर्व स्थिति
63	Take for granted	मान लेना/मानकर चलना
64	The proposal is quite in order	यह प्रस्ताव बिलकुल ठीक है
65	Through oversight	नजर चूक जाने से/भूल जाने से
66	To the point	विषयानुकूल/सुसंगत/प्रासंगिक
67	Under his hand and seal	अपने हस्ताक्षर और मुद्रासहित
68	Under intimation to this office	इस कार्यालय को सूचना देते हुए
69	Verified and found correct	पडताल की और ठीक पाया
70	Vide letter No.	पत्र संख्या देखिए
71	We are not concerned with this	इसका हमसे संबंध नहीं है
72	With due regard to	का सम्यक ध्यान रखते हुए
73	With full particulars	पूरे ब्योरे सहित/पूरे विवरण के साथ
74	Without any further reference	बिना और किसी निर्देश के
75	Will you please state	कृपया बताएँ

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSE (Discipline Specific Elective) A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.1 Sahityik Varg Vishesh Rachnakar : Kabir

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्यिक वर्ग—(विशेष रचनाकार) : कबीर

With effect form June 2020-21

जून 2020—21 से आरंभ

परिचय / Introduction

साहित्यकार युग से प्रभावित होता है। और अपने युग को प्रभावित भी करता है। भक्ति आंदोलन समय के कोख से निकला भक्ति का स्वाभाविक स्रोत है। वर्तमान में भी उसकी प्रासंगिकता असीम है। कबीर भक्ति आंदोलन से उपजे विद्रोही व्यक्तित्व है, जिन्होंने समाज को हमेशा विकास का रास्ता दिखाया है। उन्होंने रूढ़ि-प्रथा, पाखंड, अंधविश्वास का विरोध किया है। ईश्वर की साधना का नया मार्ग उन्होंने अपने समय के समाज को दिखाया। प्रस्तुत दोहे एवं पदों के माध्यम से इसका अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. कबीर के विचारों से अवगत कराना।
2. कबीर के दोहों की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3. अंधविश्वास और पाखंड के बजाय सच्ची भक्ति को समझाना।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझाना।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. कबीर के विचारों से अवगत होते हैं।
2. कबीर के दोहा की प्रासंगिकता से परिचित होते हैं।
3. कबीर के पदों को समझ लिया है।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझते हैं।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों से अवगत हो गए हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1

Sahityik Varg Vishesh Ranchnakar : Kabir

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्यिक वर्ग—(विशेष रचनाकार) : कबीर

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तक :

1. कबीर ग्रंथावली (साखी) – डॉ.भगवत स्वरूप मिश्र

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

दोहे—24

1. गुरुदेव कौ अंग— 3,6
2. सुमिरण कौ अंग— 9,17
3. विरह कौ अंग— 33,45
4. परचा कौ अंग— 6,7
5. निहकर्मि पतिव्रता कौ अंग— 6,13
6. चितावणी कौ अंग— 12,34
7. मन कौ अंग— 8,21
8. माया कौ अंग— 11,13
9. कथणी—करणी कौ अंग— 9,5
10. साँच कौ अंग— 15,17
11. भेष कौ अंग— 12,14
12. संगति कौ अंग— 2,7

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

दोहे-24

1. साथ महिमा कौ अंग- 1,9
2. माही कौ अंग- 7,10
3. उपदेश कौ अंग- 9,3
4. जीवन मृतक कौ अंग- 5,13
5. गुरु-सिष कौ अंग- 1,12
6. सूरतन कौ अंग- 19,21
7. काल कौ अंग- 14,19
8. पारिष अपारिष कौ अंग- 5,6
9. कस्तूरियां मृग कौ अंग- 1,9
10. निंदया कौ अंग- 8,3
11. बीनती कौ अंग- 2,6
12. अबिहड कौ अंग- 1,3

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

पद

1. संत/ज्ञानश्रयी शाखा की विशेषताएँ
2. कबीर का विद्रोह

कबीर के पद-12

2, 8, 16, 23, 31, 33, 39, 43, 44, 49, 60, 64

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

कबीर के पद-12

78, 84, 92, 103, 124, 127, 154, 156, 207, 246, 249, 332

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	साहित्यिक वर्ग-(विशेष रचनाकार) : कबीर	साहित्यिक वर्ग- (विशेष रचनाकार) : कबीर

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर—विष्णु नागर, भारतीय ज्ञानपीठ, प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीरदास: विविध आयाम—सं.प्रभाकर क्षोत्रिय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर—हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर ग्रंथावली—डॉ.श्यामसुंदरदास, जयभवानी प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कबीर ग्रंथावली—डॉ.भगवत स्वरूप मिश्र, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6. कबीर ग्रंथावली सटीक—प्रो.पुष्पपालसिंह, अशोक प्रकाशन, दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVII HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSE (Discipline Specific Elective) A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.2 Vyavsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

पत्रकारिता को गणतंत्र के चतुर्थ स्तंभ के रूप में जाना जाता है। गणतंत्र को सुचारू और जनाभिमुख बनाने का कार्य पत्रकारिता करती है। इस पाठ्यक्रम में पत्रकारिता के विभिन्न अंगों पर चर्चा की जाएगी। जिसमें उसका स्वरूप एवं महत्त्व के साथ-साथ पत्रकारिता के तत्त्वों तथा उसकी भाषा के बारे में अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. पत्रकारिता का स्वरूप, प्रकार और महत्त्व को समझाना।
2. पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
3. पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से अवगत कराना।
4. पत्रकारिता की भाषा से परिचित होना।
5. संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार और महत्त्व से परिचित हो जाते हैं।
2. पत्रकारिता के उद्भव और विकास से अवगत होते हैं।
3. पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से परिचित हो जाते हैं।
4. पत्रकारिता की भाषा से परिचित हो जाएंगे।
5. संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.2 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.2

Vyavsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

पत्रकारिता: स्वरूप और विकास

1. पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप और प्रकार
2. भारत में पत्रकारिता का आरंभ
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

संवाददाता और समाचार

1. संवाददाता की अर्हता
2. श्रेणी और कार्य पध्दति
3. समाचार के विविध स्रोत

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

समाचार के तत्त्व एवं संपादन कला

1. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व : समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
2. संपादन कला के सामान्य सिध्दांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।

पत्रकारिता: सृजनात्मक आयाम

1. पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्टाज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि।
2. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता	व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता के नए आयाम—एस.के.दुबे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता : संवाद और विमर्श—कैलाशनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता का विकास—एन.सी.पी.पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता—मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVII HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSE (Discipline Specific Elective) A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.3 Druk-Shravy Madhyam Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : दृक—श्राव्य माध्यम लेखन

With effect form June 2020-21

जून 2020—21 से आरंभ

परिचय / Introduction

वर्तमान समय में शिक्षा को रोजगार के साथ जोड़ा जाता है। अतः ऐसे समय रोजगार के अवसर जिस क्षेत्र में है, उस क्षेत्र की ओर छात्र-छात्राएँ अधिक से अधिक आकर्षित हो जाते हैं। इसीलिए रोजगार उन्मुख शिक्षा को ध्यान में रखते हुए दृक-श्राव्य माध्यमों में धारावाहिक, टेलीफिल्म, समाचार, दूरदर्शन, विज्ञापन, पटकथा लेखन जैसे कई क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इसलिए यह पाठ्यक्रम इसी बात को ध्यान में रखते हुए रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. दृक-श्राव्य माध्यमों की जानकारी प्राप्त कराना।
2. दृक-श्राव्य माध्यम दूरदर्शन के संदर्भ में जानना।
3. धारावाहिक, टेलीफिल्म एवं समाचार लेखन बारे में अध्ययन कराना।
4. दूरदर्शन के लिए विज्ञापन एवं पटकथा लेखन की तकनीकी को जानना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. दृक-श्राव्य माध्यमों की जानकारी हो जाएगी।
2. दृक-श्राव्य माध्यम दूरदर्शन के संदर्भ में जान सकेंगे।
3. धारावाहिक, टेलीफिल्म एवं समाचार लेखन बारे में ज्ञान प्राप्त हो जाएगा।
4. दूरदर्शन के लिए विज्ञापन एवं पटकथा लेखन की तकनीकी समझ आ जाएगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.3 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.3

Druk-Shravy Madhyam Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : दृक-श्राव्य माध्यम लेखन

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

1. दृक-श्राव्य माध्यम : अर्थ, परिभाषाएं एवं स्वरूप
2. दृक-श्राव्य माध्यमों के प्रकार

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

1. दृक-श्राव्य माध्यम- दूरदर्शन : सिनेमा
2. उद्भव, विकास, संभावनाएँ
3. फिल्म : उद्भव, विकास, संभावनाएँ

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

1. दृक-श्राव्य माध्यम-दूरदर्शन
2. धारावाहिक लेखन
3. टेलीफिल्म लेखन

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

1. पटकथा लेखन -स्वरूप सिद्धांत एवं क्षेत्र
2. कथा एवं पटकथा में अंतर
3. पटकथा लेखन- चलचित्र, डॉक्यूमेंटरी, शॉर्ट फिल्म, फिल्म

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	दृक-श्राव्य माध्यम लेखन	दृक-श्राव्य माध्यम लेखन

संदर्भ ग्रंथ

1. टेलीविजन लेखन-असगर वजाहत, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कथा-पटकथा-मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर शाम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया लेखन-सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. उत्तर आधुनिक मीडिया लेखन-सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. टेलीविजन पटकथा लेखन-विनोद तिवारी, परिहंस प्रकाशन, दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVII HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSE (Discipline Specific Elective) A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.4 Jansanchar Madhyam Aur Midiya Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

आज के युग में मनुष्य सूचनाओं की आदान-प्रदान करने के लिए संचार माध्यमों का उपयोग कर रहा है। जिसके कारण एक व्यक्ति घर में बैठे-बैठे दुनियाभर के विचार जान सकता है और अपने विचार दुनियाभर में पहुंचा सकता है। इसके पीछे महत्वपूर्ण कार्य आधुनिक संचार माध्यमों का है जिन्होंने संचार को व्यापकता प्रदान की है। समाचार पत्र से लेकर रेडियो, टीवी, इंटरनेट और सिनेमा जैसे कई माध्यम सूचनाओं, विचारों का बड़े प्रभाविता से पहुंचा रहे हैं। इसलिए यह क्षेत्र बेरोजगारों को बड़े पैमाने पर अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। कई सारे रोजगार के अवसर इस क्षेत्र में निर्माण हुए हैं। यह पाठ्यक्रम इसी संचार माध्यम और मीडिया लेखन को ध्यान में रखते हुए अध्ययनार्थ रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. जनसंचार के स्वरूप और प्रक्रिया का परिचय देना।
2. पत्रकारिता और जनसंचार में प्रयुक्त होनेवाली भाषा को अवगत करना।
3. ग्रामीण एवं शहरी भाषी पाठकों को दृष्टि में रखते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में एक स्रोत से सूचनाओं का संग्रह करना।
4. जनसंचार के मांडल की जानकारी लेना।
5. जनसंचार के सिद्धांतों को समझना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. जनसंचार के स्वरूप और प्रक्रिया का परिचित होंगे।
2. पत्रकारिता और जनसंचार में प्रयुक्त होनेवाली भाषा को अवगत होते हैं।
3. ग्रामीण एवं शहरी भाषी पाठकों को दृष्टि में रखते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में एक स्रोत से सूचनाओं का संग्रह होंगा।
4. जनसंचार के मांडल की जानकारी होंगी।
5. जनसंचार के सिद्धांतों की जानकारी होती है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.4 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.4

Jansanchar Madhyam Aur Midiya Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

1. जनसंचार : परिभाषा, स्वरूप, महत्व
2. जनसंचार माध्यम के प्रकार—समाचार पत्र, रेडियो, टेलिविजन, इंटरनेट, सिनेमा, विज्ञापन

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

1. जनसंचार की प्रक्रिया, प्रेषक, संदेश, चैनल, प्राप्तकर्ता, फीड बैक

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

1. जनसंचार के मॉडल : शैनान एवं बीवर, बरलो, लिनियर, इंटरएक्टिव, ट्रांजेक्शन

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

1. जनसंचार के सिद्धांत : प्रायमिंग, कल्टिवेशन, छोटकिपिंग, हायपोडर्मि नोडल थ्योरी, मीडिया इपेक्ट

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

संदर्भ ग्रंथ :

1. जनसंचार माध्यम—गौरीशंकर दैना
2. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया—मधुकर लेले
3. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग—विष्णु राजगढिया
4. समाचार पत्रप्रबंधन—गुलाब काठारी
5. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया—अजय कुमार सिंह
6. मीडिया अंडरवर्ल्ड—दिलीप मंडळ
7. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र—रवींद्र शुक्ला

PUNYASHLOK AHILYADEVII HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Soft Core B (Any one) Optional Paper

SCT (B) 1.1 Hindi Bhasha Shikshan

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा शिक्षण

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

साहित्य और शिक्षा का गहरा संबंध है। वस्तुतः इन दोनों का संबंध समाज के ज्ञान-प्रियता से है। हिंदी भाषा, साहित्य और शिक्षा के कारण सामाजिक, राष्ट्रीय वार्तालाप, सांस्कृतिकता का बोध, विभिन्न भाषा, आचार-विचार, नित-नए तकनीकी का अनुभव, अपना स्वतंत्र अस्तित्व, भाषा-शिक्षा के बहुलता के कारण व्यावहारिक विश्व में समन्वय स्थापित होता है। साहित्य सृजन अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन का साधन होने के साथ-साथ जनसंचार एवं जन शिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। अतः हिंदी भाषा और शिक्षण के अंतःसंबंधों को समझते हुए हिंदी भाषा और शिक्षण का हृदयंगम अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी भाषा और शिक्षण को रुचिपूर्ण बनाना।
2. भाषा-शिक्षा से सामाजिक, सांस्कृतिक, वैश्विक बहुज्ञता से परिचित कराना।
3. हिंदी भाषा-शैक्षिक प्रक्रिया से अवगत होना।
4. आधुनिक यांत्रिक-व्यावहारिक आदि आयामों से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी भाषा और शिक्षण से छात्रों में रुचि उत्पन्न होती है।
2. भाषा-शिक्षा से सामाजिक, सांस्कृतिक, वैश्विक बहुज्ञता से परिचित होते हैं।
3. हिंदी भाषा-शैक्षिक प्रक्रिया से अवगत होते हैं।
4. आधुनिक यांत्रिक-व्यावहारिक आदि आयामों से अवगत होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I
एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र
CBCS Pattern Paper No. SCT (B) 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1
Hindi Bhasha Shikshan
प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा शिक्षण
(Credit Theory 4 Practical 0)
Total Theory Lecture 60
अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

भाषा-शिक्षण के विविध आयाम

1. भाषा, व्यक्ति और समाज
2. भाषा शिक्षण का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं शैक्षिक संदर्भ
3. भाषा शिक्षण के संदर्भ में मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

भाषा शिक्षण विधि

1. भाषा अधिगम और शिक्षण
2. भाषा-शिक्षण की प्रविधियाँ-व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, व्याकरण अनुवाद,
3. विधि, प्रत्यक्ष विधि, तुलनात्मक विधि, श्रव्य विधि, मौखिक-वार्तालाप विधि
4. व्याकरण, अनुवाद एवं मौखिक वार्तालाप विधि की सार्थकता और सीमाएँ

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

हिंदी भाषा-शिक्षण के विभिन्न पक्ष

1. कौशल शिक्षण : श्रवण एवं उच्चारण, वाचन, लेखन : लिपि वर्तनी एवं पाठ अनुच्छेद, व्याकरणिक संरचना
2. गद्य एवं पद्य पाठों एवं संबंधित विधाओं का शिक्षण-कविता, कहानी, निबंध एवं नाटक

भाषा—मूल्यांकन तथा परीक्षण

1. भाषा—शिक्षण और त्रुटि—विश्लेषण
2. मूल्यांकन तथा परीक्षण की संकल्पना
3. भाषा—परीक्षण के कार्य
4. भाषाई कौशल का परीक्षण : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन, अन्य रूप
5. मूल्यांकन के प्रकार

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	हिंदी भाषा शिक्षण

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा—शिक्षण—रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी भाषा शिक्षण—भोलानाथ तिवारी
3. भाषा—शिक्षण—कुछ नये विचार—बिन्दु—इंदिरा नुपूर
4. हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण—सूरजभान सिंह
5. हिंदी भाषा और नागरी लिपि—सं.लक्ष्मीकांत वर्मा

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Soft Core B (Any one) Optional Paper

SCT (B) 1.2 Hindi Sarajanatmak Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी सृजनात्मक लेखन

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

सृजनात्मकता एक प्रतिभा है। इसलिए हर व्यक्ति उसमें परिपूर्ण हो ऐसा नहीं होता किन्तु किसी कार्य को निरन्तर करने से अर्थात् अध्ययन के द्वारा उसको परिष्कृत किया जा सकता है। इसीलिए 'करत-करत अभ्यास जड़मती होत सुजान।' ऐसी उक्ति प्रचलित है। प्रतिभा भले ही उपजत हो किन्तु उसको परिष्कृत करना भी आवश्यक होता है। इसलिए सृजनात्मक लेखन में निरन्तर साधना की आवश्यकता होती है। वह कोई साहित्यिक विधा हो या अन्य लेखन। अध्ययन और उसके शास्त्र को समझे बगैर व्यक्ति अच्छा सृजन नहीं कर पाता। इस कारण प्रस्तुत पाठ्यक्रम में सृजनात्मक लेखन को समझाने का प्रयास किया गया है। जो सृजनात्मक लेखन के कौशल को छात्रों में विकसित करेगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. गद्य एवं पद्य में सृजनात्मक लेखन प्रक्रिया से परिचित कराना।
2. मीडिया के लिए लेखन की विधि से परिचित कराना।
3. रेडियों के लिए लेखन कैसे किया जाता है उसकी जानकारी देना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. गद्य एवं पद्य में सृजनात्मक लेखन प्रक्रिया से परिचित होंगे।
2. मीडिया के लिए लेखन की विधि को जान सकेंगे।
3. रेडियों के लिए लेखन कैसे किया जाता है उसकी जानकारी प्राप्त हो जाएंगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (B) 1.2 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.2

Hindi Sarajanatmak Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी सृजनात्मक लेखन

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

1. सृजनात्मक लेखन : गद्य एवं पद्य का संदर्भ
2. सृजनात्मक लेखन : स्वरूप एवं आयाम
3. काव्य का सृजन तथा रचना प्रक्रिया
4. कविता लेख, गीत लेखन मुक्तक लेखन
5. लेखन की विषयवस्तु का निर्धारण एवं चयन
6. लघुकथा, कहानी, एकांकी, नाटक, निबंध एवं उपन्यास आदि गद्य विधाओं की लेखन प्रक्रिया

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

1. मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक आयाम
2. प्रिंट एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र
3. मीडिया लेखन में सृजनशीलता की विशेषताएँ
4. समाचार लेखन
5. फीचर लेखन : स्वरूप, महत्व एवं क्षेत्र
6. फीचर लेखन के रूप : सामान्य फीचर, भेटवार्ता
7. साक्षात्कार या इन्टरव्यू, फोटोफीचर, व्यक्तिचित्र
8. फीचर की संरचना

9. फीचर की विशेषताएँ
10. संगणक के क्षेत्र में सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

1. रेडियो लेखन और सृजनात्मकता
2. टी.व्ही. लेखन और सृजनात्मकता
3. रेडियो, टी.व्ही.— प्रहसन, एकांकी, तथा नाट्य लेखन
4. रेडियो, टी.व्ही.— प्रसारण, एनीमेशन और सृजनात्मकता
5. हास्य व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनात्मकता
6. किसान एवं ग्रामीण के लिए लेखन और सृजनात्मकता

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

1. गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनात्मकता
2. कहानी लेखन और सृजनात्मकता
3. संस्मरण लेखन और सृजनात्मकता
4. संवाद लेखन और सृजनात्मकता
5. साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मकता
6. रिपोर्ताज लेखन और सृजनात्मकता
7. डायरी लेखन और सृजनात्मकता

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	हिंदी सृजनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रंथ :

1. लेखन के विविध आयाम—गोविंद सिंह, वर्चुअल्ली वलीस
2. मीडिया लेखनकला—सूर्यप्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल
3. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम—वेदप्रताप वैदिक
4. फीचर लेखन—पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी
5. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद—सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन
6. सूचना प्रौद्योगिकी, हिंदी और अनुवाद—संपा.नीता गुप्ता, पूरनचंद टंडन
7. प्रयोजनमूलक हिंदी के नए रूप—कैलासनाथ पाण्डेय

PUNYASHLOK AHILYADEVII HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Soft Core B (Any one) Optional Paper

SCT (B) 1.3 Bhasha Prodhogiki

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा प्रौद्योगिकी

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

वैश्वीकरण के कारण मनुष्य जिस प्रकार व्यापक भूभाग का हिस्सा बना है उसी भांति नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यमों ने भाषा को भी अपने दायरे को व्यापक बनाने की लिए कटिबद्ध किया है। बदलते युग के साथ-साथ भाषा को भी व्यापक बनने के लिए बाध्य किया है। इसलिए जो भाषा संगणक में अधिक प्रयुक्त होगी वही लंबी उम्र जी सकेगी ऐसा अहवान उसके समुख खड़ा हुआ है। इसलिए विभिन्न प्रदेशों में प्रयुक्त भाषा में सॉफ्टवेयर की निर्मिती हो रही है। इसलिए आज इस भाषा के अध्ययन करनेवाले छात्रों को इस भाषा प्रौद्योगिकी को जानना आवश्यक बन गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप परिचित कराना।
2. संगणक के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करना।
3. हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करना।
4. भाषा के विभिन्न सॉफ्टवेयर की जानकारी लेना

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप समझ में आयेगा।
2. संगणक के संदर्भ में जानकारी प्राप्त हो जाएगी।
3. हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होगी।
4. भाषा के विभिन्न सॉफ्टवेयर की जानकारी मिल जाएगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (B) 1.3 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.3

Bhasha Prodyogiki

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा प्रौद्योगिकी

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

1. भाषा प्रौद्योगिकी : स्वरूप एवं विकास
2. भाषा प्रौद्योगिकी का उद्देश्य
3. भाषा प्रौद्योगिकी की उपयोगिता, भाषिक अनुप्रयोग

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

1. संगणक का उद्भव, विकास
2. संगणक की पीढ़ियां,
3. संगणक के प्रकार

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

1. संगणक : हार्डवेयर, अर्थ, परिभाषा
2. हार्डवेयर के विभिन्न भागों का अध्ययन
3. हार्डवेयर की विशेषताएँ
4. संगणक पारिभाषिक शब्दावली

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

1. संगणक : सॉफ्टवेयर
2. सॉफ्टवेयर का अर्थ परिभाषा
3. संगणक के सॉफ्टवेयर्स
4. हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	भाषा प्रौद्योगिकी

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारत की भाषाएँ—आ. किशोरीदास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा और प्रौद्योगिकी—डॉ. प्रसाद विनोद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन—सूर्यप्रसाद दीक्षित, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास—बंसल राम, विज्ञानाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग—डॉ.मल्होत्रा विनयकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVII HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Soft Core B (Any one) Optional Paper

SCT (B) 1.4 Anuvad

प्रश्नपत्र का नाम : अनुवाद

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

विश्व के विचारों को एक धागे में पिरोने का कार्य अनुवाद ने किया है। दुनिया के एक कोने का ज्ञान दूसरे कोने तक पहुँचाने का कार्य अनुवाद के कारण हुआ है। इसलिए अनुवाद का महत्त्व दिन-दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। विश्व में कोई भी विचार या तकनीकी निर्माण हो जाती है तो व्यक्ति अन्य भाषिकों तक अनुवाद के माध्यम से पहुँचाता है। इसलिए अनुवाद के क्षेत्र विस्तार को देखते हुए उसमें रोजगार की संभावनाएँ कई गुना बढ़ गई है। इसलिए अनुवाद के बारे में छात्रों को जानना आवश्यक हो गया है। इसी बात को मध्यनजर रखते हुए प्रस्तुत प्रश्नपत्र अध्ययन हेतु रखा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित कराना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद की जानकारी प्राप्त कराना।
3. अनुवाद की सामाजिक उपादेयता को जानना।
4. अनुवाद में रोजगार के क्षेत्रों से परिचय करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित होंगे।
2. विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद की जानकारी हो जाएगी।
3. अनुवाद की सामाजिक उपादेयता को जानेंगे।
4. अनुवाद में रोजगार के क्षेत्रों की जानकारी होगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (B) 1.2 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.2

Anuvad

प्रश्नपत्र का नाम : अनुवाद

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

अनुवाद का स्वरूप एवं प्रक्रिया

1. अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप
2. अनुवाद की प्रविधि एवं प्रक्रिया
3. अनुवाद के प्रकार
4. अनुवाद की सीमाएँ

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

1. साहित्यिक अनुवाद : गद्यनुवाद, पद्यनुवाद
2. वैज्ञानिक अनुवाद
3. वाणिज्यिक व्यवसाय और अनुवाद
4. जनसंचार माध्यम, विज्ञापन और अनुवाद

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

प्रशासनिक अनुवाद

1. कार्यालयीन अनुवाद
2. विधि और न्यायालयीन अनुवाद
3. बैंकिंग अनुवाद
4. तकनीकी और वैज्ञानिक अनुवाद

अनुवाद की उपादेयता

1. अनुवाद की सामाजिक उपादेयता
2. अनुवाद और सामाजिक आदान-प्रदान
3. अनुवाद की सांस्कृतिक उपादेयता
4. अनुवाद में रोजगारोन्मुख अवसर

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा—डॉ.सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद विज्ञान की भूमिका—कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, द्वितीय संस्करण, 2014
3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ—डॉ.श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, दूसरा सं. 2019
4. अनुवाद : अवधारणा एवं विमर्श—डॉ.श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं. 2012
5. अनुवाद अनुसृजन—सं. ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2019
6. अनुवाद एवं संचार—डॉ. पूनरचंद टंडन, राजपाल एवं सन्ज, नई दिल्ली
7. व्यावहारिक अनुवाद—डॉ. विश्वनाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
8. अनुवाद का समाजशास्त्र—डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका—कैलाश नाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण 2018

PUNYSHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

M.A. I Year Hindi Semester II

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी द्वितीय सत्र

Choice Based Credit System

2020–21

सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अनुसार

(For University- विश्वविद्यालय हेतु)

समन्वयक – प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख

अध्यक्ष—हिंदी अध्ययन मंडल,

पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			L	T	P	Total Credits
			Theory	IA	Total				
Second									
Subject		Hard Core Compulsory Paper							
HCT	1.1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.2	हिंदी भाषा एवं लिपि	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.3	संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी	80	20	100	4	1	0	5
		Soft Core A (Any One) Optional							

SCT	1.1	साहित्यिक वर्ग विशेष रचनाकार : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.2	व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.3	दृक-श्राव्य माध्यम लेखन	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.4	भाषा प्रौद्योगिकी	80	20	100	4	1	0	5
		Generic Elective (Any One)							
OET	1.1	राजभाषा हिंदी	80	20	100	4	1	0	5
OET	1.2	भारतीय साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
OET	1.3	हिंदी साहित्य और सिनेमा	80	20	100	4	1	0	5
OET	1.4	हिंदी सम्प्रेषण कौशल	80	20	100	4	1	0	5
		Total	400	100	500	20	05	00	25

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.1 Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

With effect from June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction s

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य के राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यक्ति होता है, वैसा अन्य साहित्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इसका साक्षी है कि प्रौढ़ मन, मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़, शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी अभिव्यक्ति एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधाओं के प्रति रुचि पैदा कराना।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रू-बरू कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्र परिचित हो जाते हैं।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन करते हैं।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रुचि पैदा होती है।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित हो जाते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1

Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तक :

**1. श्रृंखला की कड़ियाँ (निबंध संग्रह)—महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
अध्ययनार्थ विषय**

इकाई I

Credit-1 Lecture-15

महादेवी वर्मा एवं श्रृंखला की कड़ियाँ

1. महादेवी वर्मा का जीवन परिचय
2. महादेवी वर्मा का साहित्य परिचय
3. श्रृंखला की कड़ियाँ
4. युद्ध और नारी
5. नारीत्व का अभिशाप
6. आधुनिक नारी

इकाई II

Credit-1 Lecture-15

श्रृंखला की कड़ियाँ

7. घर ओर बाहर
8. हिंदू स्त्री का पत्नीत्व
9. जीवन का व्यवसाय
10. स्त्री के अर्थस्वातंत्र्य का प्रश्न
11. हमारी समस्याएँ

12. समाज और व्यक्ति
13. जीवन की कला

पाठ्यपुस्तक :

2. रेहन पर रघू (उपन्यास)—काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई III

Credit-1 Lecture-15

काशीनाथ सिंह और रेहन पर रघू उपन्यास

1. काशीनाथ सिंह का जीवन परिचय
2. काशीनाथ सिंह का साहित्य परिचय
3. उपन्यास का कथानक
4. उपन्यास के पात्र एवं चरित्र—चित्रण

इकाई IV

Credit-1 Lecture-15

रेहन पर रघू उपन्यास

5. उपन्यास की संवाद योजना
6. उपन्यास में देशकाल वातावरण
7. उपन्यास की भाषा—शैली
8. उपन्यास का उद्देश्य

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	आधुनिक गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य—डॉ.मीरा गौतम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी गद्य : इधर की उपलब्धियाँ—डॉ.पुष्पा लाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन—डॉ.बाबराय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन हिंदी साहित्य: विविध परिदृश्य—रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी का गद्य साहित्य—डॉ.रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी
5. महादेवी वर्मा का गद्य—सूर्य प्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. महादेवी वर्मा—सं. इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महादेवी वर्मा: कवि और गद्यकार—लक्ष्मीदत्त गौतम कोणार्क प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यासकार—अमर जसवाल, विद्या विहार, कानपुर
9. काशीनाथ सिंह का रचना संसार—अंजली कृष्णन

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.2 Hindi Bhasha Avn Lipi

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा एवं लिपि

With effect form June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

हिंदी भाषा भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जानेवाली भाषा है। जिसके उद्भव और उसके विस्तार भारत के बहुत बड़े प्रदेशों में हुआ है। हिंदी के अन्तर्गत कुल सत्रह उपभाषाएँ हैं तथा उसकी लिपि देवनागरी है। भारत क सिवा हिंदी विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। इसके चलते हिंदी का वैश्विक रूप सामने आ गया है। हिंदी भाषा और लिपि का गहराई से अध्ययन जरूरी है। जिसकी जानकारी प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हो जाएगी।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार से अवगत कराना।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित कराना।
4. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति एवं उसकी विशेषताओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होते हैं।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार को जानते हैं।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित हो जाते हैं।
4. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति एवं उसकी विशेषताओं से परिचित हो जाते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.2 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.2

Hindi Bhasha Avn Lipi

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा एवं लिपि

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture-15

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण – हार्नले, ग्रियर्सन (अंतिम वर्गीकरण), चटर्जी और हरदेव बहारी द्वारा किया गया वर्गीकरण

इकाई II

Credit-1 Lecture-15

हिंदी का भौगोलिक विस्तार (उपभाषाएँ)

1. पश्चिमी हिंदी
2. पूर्वी हिंदी
3. राजस्थानी हिंदी
4. बिहारी हिंदी
5. पहाड़ी हिंदी और उनकी बोलियाँ

इकाई III

Credit-1 Lecture-15

हिंदी का भाषिक स्वरूप

1. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था – स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम निर्धारण, स्वनिम और सहस्वन (संस्वन) में अंतर
2. स्वनिम के भेद – खंड्य, खंड्येतर
3. हिंदी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास

लिपि विज्ञान

1. लिपि का उद्भव और विकास, खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि का परिचय
2. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि में सुधार, देवनागरी लिपि का मानकीकरण

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	हिंदी भाषा एवं लिपि

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान—डॉ.भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान—डॉ.भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका—डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. हिंदी भाषा का इतिहास—डॉ.धीरेंद्र वर्मा
5. हिंदी भाषा : उद्भव और विकास—डॉ.उदयनारायण तिवारी
6. हिंदी : उद्भव, विकास और रूप—डॉ.हरदेव बाहरी
7. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ—डॉ.नरेश मिश्र
8. हिंदी भाषा की लिपि संरचना—डॉ.भोलानाथ तिवारी
9. भाषा विज्ञान : सिध्दांत और प्रयोग—डॉ.अंबाप्रसाद सुमन
10. भाषा विज्ञान—डॉ.मनमोहन गौतम
11. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र—डॉ.कपिलदेव त्रिवेदी
12. नागरी लिपि : रूप और सुधार—मोहन ब्रिज
13. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण—डॉ.अंबादास देशमुख
14. भाषा विज्ञान—डॉ.तेजपाल चौधरी
15. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा—डॉ.लक्ष्मीकांत पाण्डेय
16. भाषा विज्ञान के विविध आयाम—डॉ.अंबादास देशमुख

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.3 Sangnakiya Hindi avn Vyavaharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी

With effect form June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

आज के दौर में संगणक का महत्त्व बहुत बढ़ रहा है। हर क्षेत्र में संगणक ने अपनी जगह बना ली है। इसलिए इस युग को संगणक का युग कहा जाए तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। हिंदी ने भी संगणक का स्वीकार किया है। जिसमें कई सारे सॉफ्टवेयर, फॉन्ट उपलब्ध हो रहे हैं। कार्यालय से लेकर निजी कामकाज में हिंदी प्रयोग हो रहा है। कई सारे समाचार पत्र हिंदी के कम्प्यूटर पर ऑनलाईन उपलब्ध हो रहे हैं। इस पाठ्यक्रम में संगणक में हिंदी का उपयोग कैसा हो रहा है। उससे छात्रों को परिचित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. संगणक में हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत कराना।
2. मुद्रित माध्यम के सैध्दांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से अवगत कराना।
4. टेलिविजन की जानकारी देते हुए उसमें किये जानेवाले लेखन से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. संगणक में हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत हो जाते हैं।
2. मुद्रित माध्यम के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित होते हैं।
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से अवगत होते हैं।
4. टेलिविजन की जानकारी देते हुए उसमें किये जानेवाले लेखन से परिचित हुए हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.3 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.3

Sangnakiya Hindi yavam Vyavaharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture-15

संगणकीय हिंदी : सामान्य स्वरूप

1. संगणक : परिचय, क्षेत्र, रूपरेखा, उपयोग
2. इंटरनेट : उपकरणों का परिचय, प्रयोग विधि, प्रकार्यात्मक रख-रखाव
3. इंटरनेट-समय मितव्ययिता के सूत्र
4. वेब पब्लिशिंग: परिचय एवं महत्त्व
5. इंटर एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप
6. लिंक, ब्राऊजिंग, ई-मेल प्रेषण एवं प्राप्ति, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊन लोडिंग एवं अप लोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज, हिंदी वेब साइट्स हिंदी वेब पत्रिकाएँ

इकाई II

Credit-1 Lecture-15

मुद्रित माध्यम : सामान्य स्वरूप

मुद्रित माध्यम :

1. मुद्रित भाषा की प्रकृति
 2. समाचार पत्र
 3. पत्रिकाओं में रिपोर्ट (रपट) लेखन
 4. समाचार संपादन (लेखन) के आधारभूत तत्त्व
- शीर्षक की संरचना :**
1. लीड
 2. इंट्रो एवं शीर्षक संपादन
 3. शीर्षक के प्रकार

मीडिया लेखन :

1. संपादकीय लेखन
2. पृष्ठ सज्जा
3. साक्षात्कार लेखन
4. समाचार लेखन कला

इकाई III

Credit-1 Lecture-15

इलैक्ट्रॉनिक माध्यम: सामान्य स्वरूप

श्रव्य माध्यम (रेडियो) :

1. मौखिक भाषा की प्रकृति
2. समाचार लेखन एवं वाचन
3. रेडियो नाटक
4. उद्घोषणा लेखन
5. विज्ञापन लेखन
6. फिचर एवं रिपोर्टाज

इकाई IV

Credit-1 Lecture-15

दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : सामान्य स्वरूप

1. दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति
2. दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य
3. पार्श्ववाचन (वायसओअर) पटकथा लेखन
4. टेली ड्रामा / डॉक्यू ड्रामा
5. संवाद लेखन
6. साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण
7. विज्ञापन की भाषा एवं लेखन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	प्रयोजनमूलक हिंदी	संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1. कार्यालयी कार्यबोध—हरिबाबू बंसल, प्रभात प्रकाशन, 205 चावडी बाजार, दिल्ली
2. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन—डॉ.भोलानाथ तिवारी, डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन, 21—ए दरियागंज, नई दिल्ली
3. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिंदी—डॉ.राम प्रकाश एवं डॉ.दिनेशकुमार त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी: विविध पारिदृश्य —डॉ.रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ.पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, 128/103, जी किदवाई नगर, कानपुर
5. व्यावहारिक राजभाषा—आलोककुमार रस्तोगी, जीवनज्योति प्रकाशन, दिल्ली
6. कंप्यूटर :क्या, क्यों, कैसे?—रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. कंप्यूटर : सूचना प्रणाली—रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग—विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. Principals & Ethics of- Dr.Jan R.Hak Emulder & Other, Anmol Journalism Publications Pvt.Ltd. 4374B, Ansari Road, Daryaganji, New Delhi
10. Journalism Made Simple - David Wainwright Rupa and CO., Henemann, London (U.K.)
11. The Electronic Media- Edt.ARavind Kumar, Anmol Prakashans Pvt.Ltd. 4374/4B, Ansari Road, Daryaganji, New Delhi 110002
12. Radio & T.V. Journalism -K.M. Shrivastav, Sterlling Publication Pvt. Ltd. L-10, Green Park extension, New Delhi - 11001
13. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी: सं.सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
14. जनसंचार—विविध आयाम—ब्रजमोहन गुप्त
15. प्रयोजनमूलक हिंदी: प्रासंगिकता एवं परिदृश्य—डॉ.नागलक्ष्मी
16. प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम—डॉ.अंबादास देशमुख

PUNYASHLOK AHILYADEVII HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Soft Core A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.1 Sahityk Varg Vishesh Ranchnakar : Surykant Tripathi Nirala

प्रश्नपत्र का नाम :साहित्यिक वर्ग—(विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

With effect form June 2020-21

जून 2020—21 से आरंभ

परिचय / Introduction

आधुनिक हिंदी कविता में क्रांतिदर्शी, युगदृष्टा, विद्रोही कवि के रूप में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की अपनी पहचान है। महाकवि निराला ने अपने कविताओं के माध्यम से समाज को बंधनों से ही नहीं निकाल अपितु कविता को भी बंधनों से मुक्त करने का कार्य किया।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कृतित्व को समझाना।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कविता के अन्तरंग को अवगत कराना।
3. अनामिका काव्य संकलन के कविताओं से परिचित कराना।
4. नये पत्ते काव्य संकलन की कविताओं से परिचित कराना।
5. निराला की जनवादी दृष्टि से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कृतित्व समझ सकते हैं।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता के अन्तरंग से अवगत हुए हैं।
3. 'अनामिका' काव्य संकलन के कविताओं से परिचित हो सकते हैं।
4. 'नये पत्ते' काव्य संकल्पन की कविताओं से परिचित हो सकते हैं।
5. निराला की जनवादी दृष्टि से परिचित हो सकते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1

Sahityik Varg Vishesh Rachnakar : Surykant Tripathi Nirala

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्यिक वर्ग (विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तकें :

1. अनामिका—सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. नये पत्ते—सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

निराला एवं उनकी कविताएँ

1. निराला का व्यक्तित्व एवं साहित्यिक कृतित्व
2. अनामिका—1. गीत 2. प्रेयसी 3. खण्डहर के प्रति 4. क्या गाऊँ 5. कहाँ देश है?
6. वह तोड़ती पत्थर

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

निराला की कविताएँ—अनामिका

1. बनबेला 2. सरोजस्मृति 3. मुक्ति 4. वे किसान की नई बहु की आँखें
5. राम की शक्ति पूजा 6. मित्र के प्रति

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

निराला की कविताएँ—नये पत्ते

1. रानी और कानी 2. आँख आँख काँहा हो गयी 3. राजा ने अपनी रखवाली की
4. तारे गिनते रहें 5. गर्म पकोड़ी 6. खेल

निराला की कविताएँ—नये पत्ते

1. कुता भौकने लगा 2. तिलांजली 3. छलॉंग मारता चला गया 4. वर्षा
5. खून की होली ज्यों खेली 6. चर्खा चला

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	साहित्यिक वर्ग (विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	साहित्यिक वर्ग (विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनामिका—निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नये पत्ते—निराला, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का इतिहास—आ.रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास—डॉ.नगेंद्र
5. निराला काव्य की छवियाँ—नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कवि निराला—नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. निराला—रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ—डॉ.जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. हिंदी साहित्य का इतिहास—डॉ.माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
10. निराला काव्य और व्यक्तित्व—प्रो.धनंजय वर्मा, विद्याप्रकाशन मंदिर
11. हिंदी साहित्य एक सरल परिचय—डॉ.सुरैय्या शेख, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. क्रांतिकारी कवि निराला—डॉ.रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. आधुनिक कवि निराला—बच्चनसिंह, नंदकिशोर अँन्ड सन्स, वाराणसी
14. निराला काव्य समीक्षा—पदमसिंह शर्मा, कमलेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. निराला की काव्य साधना—वीणा शर्मा, हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Soft Core A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.2 Vyvsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

With effect form June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

मुद्रण क्षेत्र में जो विकास हुआ है उसके पीछे कारण प्रेस का आविष्कार है। जिसने कम समय में मुद्रण की कई प्रतियाँ उपलब्ध करा दी। इसके कारण नये-नये समाचार पत्र निकलने लगे। हिंदी भाषा के अन्तर्गत भी कई सारी पत्र-पत्रिकाएँ निकलने लगी। मुद्रित माध्यम के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का भी आविष्कार हुआ। जिसमें रेडियो और दूरदर्शन प्रमुख है। इस पाठ्यक्रम में प्रिंट पत्रकारिता से लेकर रेडियो, दूरदर्शन के साथ सूचना और मानवधिकार जैसे कई बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ जानकारी देना।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस कानून के बारे में जानना।
3. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं से अवगत कराना।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से परिचित कराना।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार जिनमें सूचना और मानवाधिकार के बारे में अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ जानकारी प्राप्त करते हैं।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस कानून के बारे में जानते हैं।
3. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं से अवगत होते हैं।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से परिचित होते हैं।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना और मानवाधिकार के बारे में जानते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.2 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.2

Vyvsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

मुद्रित माध्यम स्वरूप एवं महत्व

1. प्रिंट पत्रकारिता का उद्भव और विकास
2. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला : प्रूफ शोधन, ले आऊट, पृष्ठ सज्जा
3. प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

प्रेस की अवधारणा और हिंदी पत्रकारिता

1. मुक्तप्रेस की अवधारणा, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी
2. प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता
3. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

पत्रकारिता के विविध आयाम

1. पत्रकारिता का प्रबंधन 2. प्रशासनिक व्यवस्था 3. बिक्री तथा वितरण व्यवस्था
4. पत्रकारों के विभिन्न संगठन

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता और सूचना अधिकार

1. रेडियो और दूरदर्शन की माध्यमगत विशेषताएँ एवं सीमाएँ
2. रेडियो तथा दूरदर्शन चैनलों का सामान्य परिचय
3. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता	व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न-कृष्णबिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास-अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य-राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समकालीन पत्रकारिता मूल्यांकन और मुद्दे-राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ-डॉ.विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार-डॉ. ठाकुरदत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. पत्रकारिता संदर्भ कोश-डॉ.सुधीद्रकुमार, डॉ.रामप्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता-मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी की सर्वोदय पत्रकारिता-डॉ.मृदुला गर्ग, विद्या प्रकाशन, कानपुर
10. पत्रकारिता की विभिन्न धाराएँ-डॉ.निशांत सिंह, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
11. पत्रकारिता का विकास-एन.सी. पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Soft Core A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.3 Druk-Shravy Madhyam Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : दृक—श्राव्य माध्यम लेखन

With effect form June 2020-21

जून 2020—21 से आरंभ

परिचय / Introduction

वर्तमान समय में शिक्षा को रोजगार के साथ जोड़ा जाता है। अतः ऐसे समय रोजगार के अवसर जिस क्षेत्र में है, उस क्षेत्र की ओर छात्र-छात्राएँ अधिक से अधिक आकर्षित हो जाते हैं। इसीलिए रोजगार उन्मुख शिक्षा को ध्यान में रखते हुए दृक-श्राव्य माध्यमों में संगणक, इंटरनेट के साथ-साथ सोशल मीडिया जैसे कई क्षेत्र में ज्ञान और रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इस बात को मध्यनजर रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यक्रम रखा जा रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. समाचार एवं विज्ञापन लेखन सिध्दांत से अवगत कराना।
2. नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम कम्प्यूटर से अवगत कराना।
3. इंटरनेट के संदर्भ में जानकारी देना।
4. सोशल मीडिया से परिचित कराते हुए उसके उपयोगिता संदर्भ में जानकारी देना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. समाचार एवं विज्ञापन लेखन सिध्दांत से अवगत होते हैं।
2. नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम कम्प्यूटर से परिचित होते हैं।
3. इंटरनेट के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करते हैं।
4. सोशल मीडिया से परिचित कराते हुए उसके उपयोगिता जानते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.3 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.3

Druk-Shravy Madhyam Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम : दृक—श्राव्य माध्यम लेखन

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

1. समाचार लेखन सिद्धांत
2. समाचार प्रस्तुति कौशल
3. विज्ञापन लेखन सिद्धांत
4. विज्ञापन निर्माण तकनीकी पक्ष
5. विज्ञापन की विशेषताएँ

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

1. नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : कम्प्यूटर
2. कम्प्यूटर सामान्य परिचय
3. कम्प्यूटर की उपयोगिता
4. कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

1. नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : इंटरनेट
2. इंटरनेट का अविष्कार और विकास
3. इंटरनेट की कार्यप्रणाली
4. इंटरनेट की उपयोगिता
5. इंटरनेट की भाषा हिंदी और युनिकोड

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

1. अद्यतन नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : सोशल मीडिया
2. अवधारणा एवं स्वरूप
3. फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ब्लॉग, हॉट्सऑप
4. सोशल मीडिया की सामाजिक उपयोगिता

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	दृक-श्राव्य माध्यम लेखन	दृक-श्राव्य माध्यम लेखन

संदर्भ ग्रंथ :

1. टेलीविजन लेखन—असगर वजाहत, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कथा—पटकथा—मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर शाम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया लेखन—सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. उत्तर आधुनिक मीडिया लेखन—सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. टेलीविजन पटकथा लेखन—विनोद तिवारी, परिहंस प्रकाशन, दिल्ली
7. वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नए रूझान, शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी
8. मीडिया और हिंदी : बदलती प्रवृत्तियाँ—सं.डॉ.रविंद्र जाधव, प्रा.केशव मोरे
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Soft Core A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.4 Bhasha Praudyogiki

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा प्रौद्योगिकी

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय / Introduction

भाषा का व्यापकता प्रदान करने के लिए विभिन्न संस्थाएँ कार्य कर रही हैं। जिनमें सीडैक, भारतीय भाषा संस्थान, भाषा प्रौद्योगिकी संस्थान के नाम गिनाये जाते हैं। जिन्होंने भाषा को संगणक के साथ जोड़ने और उसमें सहजता से कार्य करने के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर, फॉन्ट बनाये हैं। इस पाठ्यक्रम में यूनिकोड, लिब्रे ऑफिस हो या मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस तथा मशीनी अनुवाद के विभिन्न सॉफ्टवेयर पर चिन्तन किया जा रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. संगणक संबंधित कार्यों का अध्ययन कराना।
2. हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कराना।
3. लिब्रे ऑफिस, मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस का अध्ययन करना।
4. मशीनी अनुवाद के संदर्भ विभिन्न सॉफ्टवेयर का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. संगणक संबंधित कार्यों का अध्ययन किया है।
2. हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी को जानते हैं।
3. लिब्रे ऑफिस, मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस को समझते हैं।
4. मशीनी अनुवाद के संदर्भ विभिन्न सॉफ्टवेयर का परिचय हो गये हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.4 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.4

Bhasha Praudyogiki

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा प्रौद्योगिकी

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

1. भारतीय लिब्रे ऑफिस : परिचय, विकास और अनुप्रयोग
2. हिंदी भाषा के लिए यूनिकोड आधारित की-बोर्ड
3. हिंदी भाषा के यूनिकोड आधारित ओपन टाईप फॉन्ट्स

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

1. मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस : परिचय, विकास, अनुप्रयोग
2. मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस हिंदी के विविध संस्करण

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

1. हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी स्वरूप
2. हिंदी भाषा प्रौद्योगिकीसंबंधी भारत सरकार की आठवीं पंचवार्षिक योजना,
3. विकास, कार्यक्रम
4. देवनागरी तथा संगणक : तकनीकी संबंध

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

1. भारतीय भाषाएँ और उनकी लिपियाँ
2. संगणकसाधित भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी
3. मशीनी अनुवाद प्रक्रिया, भारत सरकार द्वारा विविध सॉफ्टवेयर

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	भाषा प्रौद्योगिकी

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारत की भाषाएँ—आ. किशोरदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा और प्रौद्योगिकी—डॉ.विनोद प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कम्प्यूटर सूचना प्रणाली का विकास—राम बंसल, विज्ञानाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भाषा प्रौद्योगिकी तथा भाषा प्रबंधन—डॉ.सूर्यप्रकाशन दीक्षित, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Generic Elective (Any one) Optional Paper

OET 1.1 Rajbhasha Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : राजभाषा हिंदी

With effect form June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

हिंदी भाषा भारत में सबसे अधिक प्रयोग की जाती है। इसलिए उसे राजभाषा का दर्जा दिया गया है। संविधान के अन्तर्गत भी राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कई सारे प्रावधान किये गये हैं। साथ ही विभिन्न आयोगों के माध्यम से हिंदी के उत्थान हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। अतः प्रस्तुत पाठ्यक्रम में इसी को अध्ययनार्थ रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त कराना।
2. राजभाषा हिंदी की संविधानिक स्थिति तथा सभी अनुच्छेदों का विस्तार से परिचय प्राप्त कराना।
3. राजभाषा संबंधी आयोग, समिति और अधिनियमों के बारे में जानना।
4. देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास को समझना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त हुई है।
2. राजभाषा हिंदी की संविधानिक स्थिति तथा सभी अनुच्छेदों का विस्तार से परिचय प्राप्त हुआ है।
3. राजभाषा संबंधी आयोग, समिति और अधिनियमों के बारे में जानते हैं।
4. देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास को समझते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1

Rajbhasha Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : राजभाषा हिंदी

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

हिंदी के विविध रूप

- | | |
|---------------|---------------|
| 1 राजभाषा | 2 संपर्क भाषा |
| 3 राष्ट्रभाषा | 4 माध्यम भाषा |
| 5 संचार भाषा | 6 मातृभाषा |

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

1. राजभाषा हिंदी : संविधानिक स्थिति
2. संघ की राजभाषा अनुच्छेद 343
3. अनुच्छेद 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350 (क,ख)
4. अष्टम अनुसूची की भाषाएँ

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

1. राजभाषा संबंधी आयोग और संसद की समिति
2. राष्ट्रपति आदेश 1952, आयोग 1955
3. संसदीय राजभाषा समिति 1957
4. राजभाषा अधिनियम 1963
5. राजभाषा विभाग

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

1. राजभाषा हिंदी विकास में संस्थाओं का योगदान
2. राजभाषा हिंदी के विकास में व्यक्तिगत योगदान
3. देवनागरी लिपि

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	राजभाषा हिंदी

संदर्भ ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी—डॉ.पुरुषोत्तम वाजपेयी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
2. प्रयोजनमूलक हिंदी—डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्रयोजनमूलक हिंदी—डॉ.शाम सानप, गौरव बुक्स, कानपुर
4. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा—डॉ.हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर,
द्वि.सं. 2011
5. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण—डॉ.नामदेव उतकर, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर,
प्र.सं.2000
6. प्रयोजनमूलक तथा व्यवहारिक हिंदी—डॉ.सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन,
कानपुर, प्र.सं. 2013
7. देवनागरी लिपि और हिंदी संघर्षों की ऐतिहासिक यात्रा—
डॉ.रामनिरंजन परिमलेन्दु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2014

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Generic Elective (Any one) Optional Paper

OET 1.2 Bhartiya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : भारतीय साहित्य

With effect from June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

भारत देश विभिन्न भाषा, लोकजीवन, संस्कृति, परिवेश भिन्नता से भरा पड़ा है। फिर भी यह भिन्नता उसको एक-दूसरे से अलग नहीं कराती बल्कि उसको एकता में बांधती है। इस देश का साहित्य एकता के गीत गाता है। भारत के हर भाषा के साहित्य का अध्ययन करें तो उसमें भारतीय अस्मिता की सुगंध आती है। इसलिए भारतीय साहित्य के अन्तर्गत भारत के कुछ प्रतिनिधिक भाषाओं के साहित्य को अध्ययन के लिए रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से अवगत कराना।
2. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ एवं अध्ययन में आनेवाले समस्याओं से रू-बरू कराना।
3. भारतीय साहित्य की कुछ प्रतिनिधिक रचनाओं से अवगत कराना।
4. भारतीय संस्कृति एवं समाज जीवन से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से अवगत होते हैं।
2. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ एवं अध्ययन में आनेवाले समस्याओं से रू-बरू होते हैं।
3. भारतीय साहित्य की कुछ प्रतिनिधिक रचनाओं का अध्ययन करते हैं।
4. भारतीय संस्कृति एवं समाज जीवन को समझते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1

Bhartiya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : भारतीय साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तकें

1. हिंदू : जीने का समृद्ध कबाड़—भालचंद्र नेमाडे
राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. 'नागमंडल'—गिरीश कर्नाड
भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

भारतीय साहित्य की अवधारणा

1. भारतीय साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. भारतीय साहित्य की अवधारणा
3. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ
4. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

उपन्यास—हिंदू : जीने का समृद्ध कबाड़

1. भालचंद्र नेमाडे व्यक्तित्व और कृतित्व
2. 'हिंदू' उपन्यास की कथावस्तु
3. 'हिंदू' उपन्यास में स्त्री विमर्श
4. 'हिंदू' उपन्यास में देशकाल वातावरण

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

उपन्यास—हिंदू : जीने का समृद्ध कबाड़

1. हिंदू' उपन्यास का उद्देश्य
2. 'हिंदू' उपन्यास में सांस्कृतिक परिदृश्य
3. 'हिंदू' उपन्यास और देशीवाद
4. 'हिंदू' उपन्यास की महाकाव्यात्मकता

इकाई IV

Credit-1 Lecture 15

नाटक —'नागमंडल'

1. गिरीश कर्नाड: व्यक्तित्व और कृतित्व
2. 'नागमंडल' की कथावस्तु
3. नागमंडल' में चरित्र चित्रण
4. 'नागमंडल' के संवाद एवं उद्देश्य

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	भारतीय साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य—डॉ.नगेंद्र, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य—डॉ. मूलचन्द गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य की भूमिका—रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मार्क्सवाद का अर्धसत्य—अनंत विजय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भालचंद्र नेमाडे—टीका स्वयंवर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
6. भालचंद्र नेमाडे—सोळा भाषणे, लोकवाङ्मय, मुंबई
7. भालचंद्र नेमाडे: सबकुछ, सं. ह.ल. निपुणगे, पुष्पक प्रकाशन
8. भालचंद्र नेमाडे, साहित्य, संस्कृति और भूमंडलीकरण, लोकवाङ्मय गृह मुंबई
9. उदाहरणार्थ नेमाडे, डाक्यूफिक्शन
10. संस्कृति का ताना—बाना—डॉ.आभा गुप्ता ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. रंग साक्षात्कार—जयदेव तनेजा

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Generic Elective (Any one) Optional Paper

OET 1.3 Hindi Sahitya Aur Cinema

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य और सिनेमा

With effect from June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

साहित्य और सिनेमा का गहरा संबंध है। इसका कारण दोनों का संबंध जनता से है। सिनेमा अन्य कलाओं की तुलना में आधुनिक कला है। नवीनता होकर भी यह अत्यंत प्रभावशाली जनधर्मी कला है। इस दृष्टि से सिनेमा का समाज से वहीं रिश्ता होता है, जो साहित्य का समाज से है। संगीत, साहित्य, चित्र, शिल्प और नृत्य जैसी विभिन्न कलाओं के समन्वय तथा आधुनिक नित-नए यांत्रिक उपादानों की सहायता से निर्मित होकर सिनेमा ने अपना स्वतंत्र अस्तित्व एवं प्रभाव स्थापित किया है। सिनेमा अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन प्रधान होने के साथ-साथ जनसंचार एवं जनशिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। हिलते-डुलते चित्रों से आरंभ हुई सिनेमा की विकास यात्रा आज भी अनवरत जारी है। सिनेमा के विकास में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अनेक साहित्यिक रचनाओं ने सिनेमा के लिए कथातत्त्व दिया है। अतः साहित्य एवं सिनेमा के अंतः संबंधों को समझते हुए फिल्मांतरण हुए हिंदी साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित होना।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्र परिचित होते हैं।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप को समझते हैं।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित होते हैं।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 1.2 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.2

Hindi Sahitya Aur Cinema

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य और सिनेमा

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

सिनेमा का स्वरूप

1. सिनेमा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. सिनेमा के प्रकार
3. सिनेमा की निर्माण-प्रक्रिया

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास

1. सिनेमा का विकासात्मक परिचय
2. सिनेमा का आरंभिक युग/मूक सिनेमा
3. सवाक् सिनेमा
4. स्वातंत्र्योत्तर सिनेमा
5. वर्तमान समय में सिनेमा

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

हिंदी साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध

1. हिंदी कहानी साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय
2. हिंदी उपन्यास साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय
3. हिंदी नाटक साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय

फिल्मांतरीत साहित्य का मूल्यांकन

1. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का अध्ययन
2. तीसरी कसम—फणीश्वरनाथ रेणु, निर्देशक—बासू भट्टाचार्य
3. आषाढ का एक दिन—मोहन राकेश, निर्देशक—मणि कौल
4. सूरज का सातवाँ घोड़ा—धर्मवीर भारती, निर्देशक—श्याम बेनेगल

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	हिंदी साहित्य और सिनेमा

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी सिनेमा का सफर—अनिल भार्गव
2. साहित्य, सिनेमा और समाज—पूनरचंद भार्गव
3. भारतीय सिनेमा का सफरनामा—संपा. जयसिंह
4. समय, सिनेमा और इतिहास—संजीव श्रीवास्तव
5. सिनेमा पढ़ने के तरीके—विष्णु खरे
6. हिंदी साहित्य और सिनेमा—डॉ.विवेक दुबे
7. सिनेमा और साहित्य—हरीश कुमार
8. सिनेमा कल, आज, कल—विनोद भारद्वाज
9. साहित्य और सिनेमा बदलते परिदृश्य में संभावनाएँ—डॉ.शैलजा भारद्वाज
10. सिनेमा और फिल्मांतरीत हिंदी साहित्य—डॉ.गोकुळ क्षीरसागर
11. फिल्म निर्देशन—कुलदीप सिन्हा
12. हिंदी सिनेमा का जादुई सफर—प्रताप सिंह

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर



Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Generic Elective (Any one) Optional Paper

OET 1.4 Hindi Sampreshan Kaushal

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी सम्प्रेषण कौशल

With effect from June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / Introduction

हिंदी भाषा भारत के दस राज्यों में बोली जाती है। किन्तु बाकी राज्यों की मात्र भाषा अलग है। इसलिए वहा के छात्रों को हिंदी सम्प्रेषण कौशल में कठिनाई आती है। बहुत बार दैनदिन व्यवहार में प्रयुक्त शब्दों का ज्ञान नहीं होता ऐसे समय वह यातों अपने मात्रभाषा के शब्दों का प्रयोग करते हैं या अंग्रेजी का। इसलिए इन छात्रों में सम्प्रेषण कौशल का विकास हो इसके लिए हिंदी सम्प्रेषण कौशल का अध्ययन करना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. व्यवहार में प्रयुक्त हिंदी शब्दों से परिचित कराना।
2. हिंदी के मूल व्याकरण से परिचित होना।
3. संवाद कला विकसित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. व्यवहार में प्रयुक्त हिंदी शब्दों से परिचित हो गये है।
2. हिंदी के मूल व्याकरण का अध्ययन किया है।
3. संवाद कला विकसित हुई है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 1.4

प्रश्नपत्र क्रमांक 1.4

Hindi Sampreshan Kaushal

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी सम्प्रेषण कौशल

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I

Credit-1 Lecture 15

हिंदी में प्रयुक्त शब्द

1. रिश्ते—नातों
2. अंकों की गिनती
3. दिन और मास संबंधी
4. व्यवसाय संबंधी
4. ऋतु संबंधी
5. कृषि संबंधी
6. देश और राष्ट्र संबंधी
7. पशु—पक्षियों संबंधी
8. मुहावरें, कहावतें और लोकोक्तियाँ

इकाई II

Credit-1 Lecture 15

हिंदी व्याकरण

1. हिंदी वर्णमाला : स्वर, व्यंजन
2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, कारक,
3. वाक्य रचना, विराम चिह्न

इकाई III

Credit-1 Lecture 15

शब्द एवं वाक्य प्रयोग

1. शुद्ध—अशुद्ध शब्द एवं प्रयोग
2. शुद्ध—अशुद्ध वाक्य प्रयोग

सम्प्रेषण एवं उसका क्षेत्र

1. सम्प्रेषण की परिभाषा, स्वरूप, प्रक्रिया, सम्प्रेषण चुनौतियाँ और बाधाएँ
2. सम्प्रेषण के क्षेत्र : व्यक्ति के साथ बातचीत, समूह चर्चा, सभा एवं सम्मेलन,

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	—	हिंदी सम्प्रेषण कौशल

संदर्भ ग्रंथ :

1. सम्प्रेषणपरक हिंदी भाषा प्रशिक्षण—नारंग वैभव, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
2. हिंदी व्याकरण—कामताप्रसाद गुरु, रचना प्रकाशन, जयपुर
3. व्यावसायिक सम्प्रेषण—डॉ.अनूपचंद्र भायाणी, राजपाल एण्ड सन्ज, नई दिल्ली